डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धेः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि विगत कुछ महीनों में पासपोर्ट प्राप्त करने वालों से जो अनावश्यक जानकारियां मांगी जाती थीं, उन्हें बहुत कम कर दिया गया है, क्या यह बात सही है और कौन सी अनावश्यक जानकारियों को कम कर दिया गया है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः सभापति जी, यह बिल्कुल सही है। हमने बाकायदा एक कमेटी बनाकर पासपोर्ट के नियमों की समीक्षा की थी। उनमें बहुत से नियम अव्यावहारिक यानी इम्प्रैक्टिकल, बहुत से अनावश्यक यानी अननैसेसरी और बहुत से अप्रासंगिक यानी इर्रेलेवेंट थे। उन सबको हम लोगों ने स्ट्रीमलाइन कर दिया है।

माननीय सदस्य ने जैसा कहा, मैं दो-तीन चीज़ें बताना चाहती हूं, क्योंकि आप लम्बा जवाब नहीं चाहते हैं, हालांकि उसमें सारी बातें लिखी हुई हैं। पासपोर्ट नियमों का जो सरलीकरण हुआ है, उसमें जैसे अनाथ बच्चों की डेट ऑफ बर्थ का मामला है, इसे कौन देगा? अनाथालय में बैठकर कोई कहां से देगा? इसलिए हमने तय कर दिया कि अनाथालय का मुखिया जो डेट ऑफ बर्थ देगा, उसे हम स्वीकार करेंगे। जैसे तलाकशुदा पत्नी से पूर्व पति का नाम, डाइवोर्स की डिक्री की जानकारी, क्यों? इस तरह के बहुत सारे चेंजेज़ हम लोगों ने किए हैं और उनकी देश भर में बहुत सराहना भी हुई है।

श्री हुसैन दलवईः सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि जो पासपोर्ट दिए जाते हैं, खासकर एम.पीज़. को, उनकी क्वालिटी बहुत ही खराब होती है। इसलिए वीज़ा लगाते वक्त बहुत प्रॉब्लम होती है और एयरपोर्ट पर भी बहुत प्रॉब्लम होती है। अतः मैं माननीय मंत्री महोदया से निवेदन करना चाहता हूं कि पासपोर्ट की क्वालिटी अच्छी हो, क्या वे इस बारे में देखने का प्रयास करेंगी?

श्रीमती सुषमा स्वराजः माननीय सभापति जी, मैं माननीय सांसद की बात से सहमत हूं। पासपोर्ट की क्वालिटी बहुत खराब थी और पासपोर्ट उधड़ जाते थे। इसलिए हम लोगों ने सारे देशों के पासपोर्ट मंगवाए और सबसे बढ़िया बुकरम जिस देश के पासपोर्ट की थी, उसे नासिक में प्रिंटिंग के लिए दिया है। अब कोई पासपोर्ट उधड़ेगा नहीं और आप लोगों को गौरव महसूस होगा कि यह भारतीय पासपोर्ट है। आपने जो समस्या बताई, उसका हमने पूरी तरह समाधान कर दिया है।

श्री संजय सेठः सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदया के ध्यान में लाना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश मे अभी पिछले दिनों पासपोर्ट ऑफिसर ने एक महिला का पासपोर्ट इसलिए रोक दिया क्योंकि उसने किसी और धर्म के व्यक्ति से शादी की थी। मैं माननीया मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उसमें क्या कार्रवाई हुई और आगे ऐसा कुछ न हो, इसके लिए क्या एडवाइज़री इश्यू की है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है, वह वर्तमान सवाल से संबंधित नहीं है, लेकिन मैं बताना चाहती हूं कि उस महिला को पासपोर्ट दे दिया गया है।

Leakage of question papers

*19. SHRI D. KUPENDRA REDDY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of cases of leakage of Central Board of

Secondary Education (CBSE) question papers of 10th and 12th board examinations were reported recently;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government has made any probe into the matter;

(d) if so, the outcome thereof and the action taken against the people involved therein; and

(e) the details of steps taken/being taken by Government to prevent such incidents and for conducting examinations in a fair manner?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI PRAKASH JAVADEKAR): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) It is not a fact that a large number of cases of Central Board of Secondary Education (CBSE) question paper leakage took place. The leakage of two papers, *i.e.,* Economics of Class XII and Mathematics of Class X could only be confirmed. Re-examination of Economics for Class XII was held on 25th April, 2018. It was, however, decided not to hold a re-test for the Class X Mathematics keeping in mind the paramount interest of students as the Class X examination is essentially a gateway for class XI, it thus, remains largely an internal segment of school education system.

(c) and (d) CBSE through Regional Director, Delhi Region lodged six complaints with Delhi Police to investigate the matter and find out the culprits who compromised the sanctity of examinations and the credibility of the Board. The Delhi Police formed a Special Investigation Team (SIT) to investigate the matter. The Delhi Police has informed the Board that a Centre Superintendent of an exam centre in Una, Himachal Pradesh, his two accomplices as well as the Bank Officer of the Custodian Bank were arrested for leaking the Class X Maths and Class XII Economics paper. Similarly, the Principal and two teachers of Mother Khazani Convent School in Delhi along with the owner of Easy coaching Institute were arrested in Delhi for leaking the Class X Maths paper. The CBSE has disaffiliated the schools concerned for compromising with the sanctity of the examination.

(e) The Board is examining various options to ensure that such incidents do not recur. Further, the Government of India constituted a High-Powered Committee (HPC) to

examine the entire system of conducting Class X and Class XII examinations conducted by CBSE. The Committee has recently submitted its report.

SHRI D. KUPENDRA REDDY: Sir, thank you very much for giving me this opportunity. CBSE is not an ordinary body, it controls the education of lakhs and lakhs of students and holds their future in its hands. CBSE is one of the prime strong-holds of the Central Government. The students are juggling between the school classes, tuitions and coaching classes etc., and the exam stress slides them towards the ultimate act of taking their lives. The instances of leakage of question papers, re-tests etc., would be more stressful to them. These instances are avoidable. But my question to the Minister is, whether the Government has taken any steps to crack down on the coaching centres as they are also involved in such malpractices, if so, the details thereof.

श्री प्रकाश जावडेकरः माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, इस बारे में बताना चाहता हूं कि यह सच्चाई है कि सीबीएसई बहुत सारी परीक्षाएं कंडक्ट करती है। सीबीएसई लगभग डेढ़ करोड़ स्टूडेंट्स की अलग-अलग 14 प्रकार की परीक्षाएं कंडक्ट करती है। वह 207 से ज्यादा पेपर्स की परीक्षाएं लेती है, लेकिन इस साल दो पेपर्स में लीकेज हुआ। दिनांक 26 मार्च, 2018 को 12वीं क्लास के इकोनॉमिक्स के पेपर में और दिनांक 28 मार्च, 2018 को मैथ्स के पेपर में लीकेज हुआ। पहले भी कभी हुआ, लेकिन इस बार जो हुआ, उसका वायरल इफैक्ट बहुत महत्वपूर्ण था। किसी भी पेपर के बारे में कुछ भी लीक होना अच्छा नहीं है। इसलिए आपने जो सवाल पूछा, मैं बताना चाहता हूं कि इस बारे में हमने तुरन्त क्रैकडाउन किया एवं अविलम्ब पुलिस को बता दिया। पुलिस को तुरंत बता दिया गया, पुलिस ने तुरंत क्राइम ब्रांच को दे दिया और क्राइम ब्रांच को देने के बाद जो प्रतिसार सामने आया है, उसमें यह निकलकर आया कि दो प्रकार के *मोडस ऑपरेंडी* थे। एक में, ईज़ी कोचिंग सेंटर, जिसका आप उल्लेख कर रहे हैं, जो कोचिंग सेंटर है, यह दिल्ली, हरियाणा का था, एक स्कूल, मदर खजानी स्कूल था, वहां के शिक्षक और एक कोचिंग सेंटर के द्वारा यह पेपर फैलाया गया और संबंधित स्टूडेंट्स को दिया गया। इसलिए, इसको तुरंत क्रैकडाउन किया और उसमें पाँच लोगों को गिरफ्तार भी किया। इसके साथ-साथ दो स्कूलों को तुरंत disaffiliate किया है। यह एक काम हुआ है।

दूसरा, ऊना में एक इंसिडेंट हुआ, जहां बैंक के अधिकारी और वहां का केंद्र प्रमुख, जो खुद मुख्य अध्यापक बनना चाहता था, उसको फिरोजपुर की एक महिला ने कहा कि यदि आप मुझे दो पेपर दे देंगे, तो मैं आपको मुख्य अध्यापक बनाऊंगी, आपकी मदद करूंगी। उसने एक दूसरे पेपर के साथ यह पेपर भी थोड़ा लीक किया। जैसे ही पेपर लीक किया, वह वायरल हो गया और सह जगह पर उसकी लिखी हुई फोटोकॉपी चली, इसलिए इस स्कूल को भी, जो ऊना डीएवी का स्कूल था, उसको भी disaffiliate किया है। वहां भी पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर केसेज चल रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होगी, किसी को बक्शा नहीं जाएगा, क्योंकि यह पेपर लीकेज छात्रों के खिलाफ सबसे बड़ा अदम्य अपराध है, इसलिए हम इसको कभी सहन नहीं करेंगे और इसको चुस्त बनाने के लिए भी बहुत सारी व्यवस्थाएं की गई हैं।

SHRI D. DUPENDRA REDDY: What are the effective steps taken by the Central Government to make the board examination a stress-free experience for the students?

श्री प्रकाश जावडेकरः सभापति महोदय, परीक्षा का स्ट्रेस न हो, इसीलिए बहुत सारे तरीके के उपाय हैं, लेकिन सीबीएसई भी जब अपने पेपर तैयार करती है, तो इसका ध्यान रखती है। उसका डिफिकल्टी लेवल भी एक-समान रहे, इसलिए थोड़े ईज़ी, फिर थोड़े मिडिल लेवल डिफिकल्ट और फिर हायर लेवल डिफिकल्टी के क्वेश्चन्स की रचना की जाती है, ताकि ज्ञान की परीक्षा भी हो, पर स्ट्रेस न हो।

श्री दिग्विजय सिंहः सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि यह पहली घटना नहीं है। पूर्व में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। ये घटनाएँ केवल सीबीएसई में ही नहीं हुई हैं, बल्कि रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड एग्जामिनेशन, नीट एग्जामिनेशन में भी हुई हैं। दिल्ली में और इसके आसपास ऑर्ग्नाइज्ड गैंग है, जो इस प्रकार के पेपर लीक करते हैं, compromise करते हैं। यह एक गंभीर प्रश्न है, जहां कुछ पैसे वाले लोग एक गैंग की तरह ऑपरेट करते हैं। हमारे मध्य प्रदेश का व्यापम केस भी कुछ इसी प्रकार का था। कुछ मिले-जुले लोग हैं, जिनके माध्यम से पेपर लीक होत हैं और पैसे लेकर लोगों को पेपर कराया जाता है। ...(**व्यवधान**)... इस बारे में एचआरडी मिनिस्ट्री ही नहीं, बल्कि संपूर्ण केंद्र सरकार को कुछ न कुछ विचार करना पड़ेगा। मैं आपसे online परीक्षा के बारे में भी अनुरोध करता हूं कि online परीक्षा में भी इस तरह की बहुत संभावनाएं हैं। अभी online टेंडरिंग में भी इस प्रकार की शिकायत आई थी। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: It is a suggestion.

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Both these suggestions may kindly be considered and I would like the Minister to respond to this.

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: These are suggestions for action. I take it seriously. हमारा मुद्दा यही है कि यह न हो, एक सुरक्षित परीक्षा हो और इसके द्वारा छात्र बिना स्ट्रेस, बिना चिंता किए परीक्षा दे सकें।

SHRI ANIL DESAI: Sir, during the last few years, instances of leakage of the question papers at the board level, that is, Xth and XIIth, and even at the university level, are on the rise. This has also happened in the State of Maharashtra from where I come. Measures are being taken for those particular incidents wherever exams and institutions have come into question. Hon. Minister has given a very elaborate answer wherein he has said that in the cases where two question papers were leaked, basically, keeping the interests of the students in mind, it was decided not to hold a re-test as it is largely an internal segment of the school education system.

My question is not only about this leakage of question papers but also about copying during the exams. Nowadays, rampant cases are being seen, which are also relayed on television channels and reported in the newspapers, etc.

MR. CHAIRMAN: What is your question?

SHRI ANIL DESAI: Sir, my question is that the Minister has given the answer that a lot of measures are being contemplated at the Government level and a High Powered Committee has been constituted for this. Is there any report which has come up or what contemplated measures are there in the mind of the Government? Thank you.

श्री प्रकाश जावडेकरः सर, यह कमिटी अपना काम कर रही है और बहुत सारे सुझाव भी आ रहे हैं। हम हर सुझाव को परीक्षण करके ही अमल में लाएंगे। आपने एक बड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बोला कि कॉपींग न हो, इसलिए सी.बी.एस.ई. ने fool-proof व्यवस्था की है। NEET के बारे में जब कभी भी आता है कि ear rings निकलवाए या कुछ किया, मैं आपको बताना चाहता हूं कि इन सारी पद्धतियों को सुप्रीम कोर्ट के सामने demonstrate किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने यह देखकर कि कैसे-कैसे कॉपी करने का प्रयास होता है और उसको रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं, उसको अप्रवू किया है।

श्री रेवती रमन सिंहः मान्यवर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि एक बार नहीं, बल्कि अनेक बार पर्चा आउट होने का मामला प्रकाश में आया है, जिससे करोड़ों छात्रों का जीवन प्रभावित हो जाता है। उनको एम.बी.बी.एस., इंजीनियरिंग आदि इम्तिहानों में बैठना होता है और जब तक आप लीक हुए पेपर को दोबारा करवाते हैं, तब तक इम्तिहान बीत जाते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपने कोई fool-proof system बनाया है, जिससे चीटिंग को रोका जा सके और जो लोग इसमें संलिप्त होते हैं, आप उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही का प्रावधान करें, जिससे यह दोबारा न हो सके?

श्री प्रकाश जावडेकरः सर, इसके लिए कड़ी सज़ा होनी चाहिए। मैं आपको बताना चाहता हूं कि लीके के मामले में जो दोनों जगहों पर लोग गिरफ्तार किए गए हैं, उनका केस हम बड़ी मजबूती से लड़ेंगे और उनको सज़ा दिलवाएंगे।

दूसरी बात मैं परीक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। जहां तक परीक्षा को fool-proof करने का मुद्दा है, तो सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाने का निर्णय किया है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि दुनिया भर में GRE, GMAT या CAT की परीक्षाएं इसी तरह से होती हैं। GRE, GMAT की परीक्षाएं अनेक देशों में होती हैं, लेकिन कहीं भी शिकायत नहीं आती है। हरेक का अलग question paper आता है, लेकिन एक सिस्टम से होता है। इस तरह से परीक्षा पर बहुत सीरियस विचार करके नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना की गई है और उससे यह स्थिति सुधरेगी।

Harassment of religious minorities in neighbouring countries

*20. SHRI JAVED ALI KHAN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government has taken cognisance of incidents of harassment to religious minorities in neighbouring countries especially Pakistan, Bangladesh and Afghanistan;